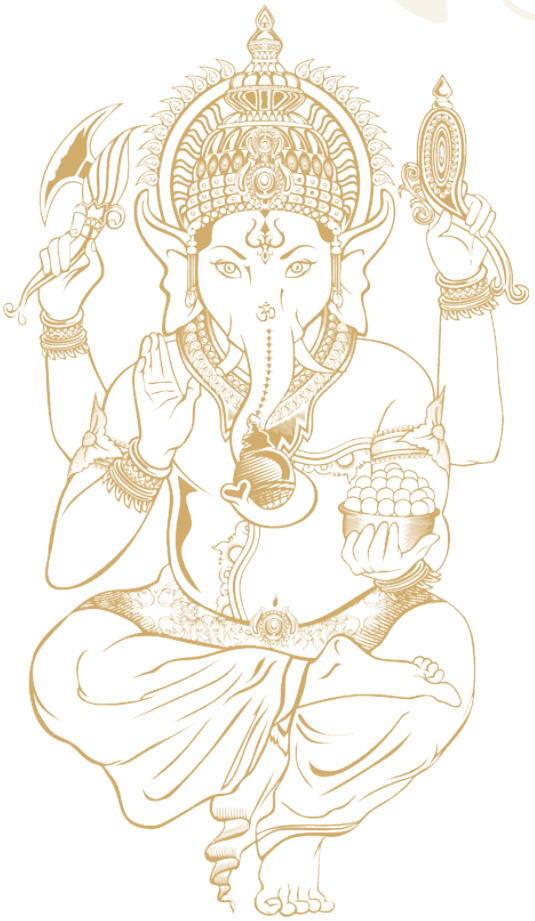

Achintya Vibhooti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119008302

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
25/01/1999	जन्म तिथि	12/09/1998
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 17:35:10	जन्म समय	18:40:00 घंटे
घटी 25:49:15	जन्म समय(घटी)	31:13:12 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Kota
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	25:11:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	75:58:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:27	सूर्योदय	06:10:53
18:02:35	सूर्यास्त	18:33:42
23:50:29	चित्रपक्षीय अयनांश	23:50:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 9वर्ष 3मा 17दि		06:10:33	कर्क	लग्न	कुंभ	29:03:40	चन्द्र 3वर्ष 4मा 14दि	
मंगल		11:13:23	मक	सूर्य	सिंह	25:44:02	राहु	
13/05/2024		20:28:06	मेष	चंद्र	वृष	18:50:10	26/01/2009	
14/05/2031		05:45:01	तुला	मंगल	कर्क	20:39:21	26/01/2027	
मंगल	09/10/2024	04:41:42	मक	बुध	सिंह	14:01:36	राहु	09/10/2011
राहु	28/10/2025	02:18:44	मीन	गुरु व	कुंभ	29:41:41	गुरु	04/03/2014
गुरु	04/10/2026	02:11:59	कुंभ	शुक्र	सिंह	13:15:55	शनि	08/01/2017
शनि	13/11/2027	03:35:12	मेष	शनि व	मेष	09:08:01	बुध	28/07/2019
बुध	09/11/2028	28:24:12	कर्क व	राहु व	सिंह	07:31:05	केतु	15/08/2020
केतु	07/04/2029	28:24:12	मक व	केतु व	कुंभ	07:31:05	शुक्र	15/08/2023
शुक्र	07/06/2030	18:28:43	मक	हर्ष व	मक	15:29:45	सूर्य	09/07/2024
सूर्य	13/10/2030	08:08:01	मक	नेप व	मक	05:46:21	चन्द्र	08/01/2026
चन्द्र	14/05/2031	16:01:24	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	11:39:57	मंगल	26/01/2027

लग्न-चलित

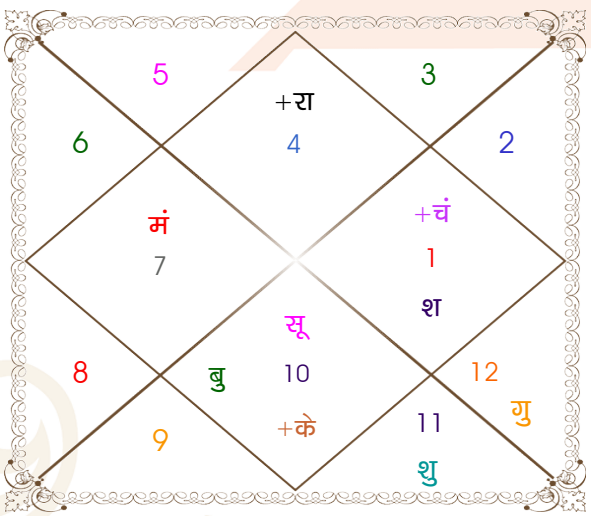

लग्न-चलित

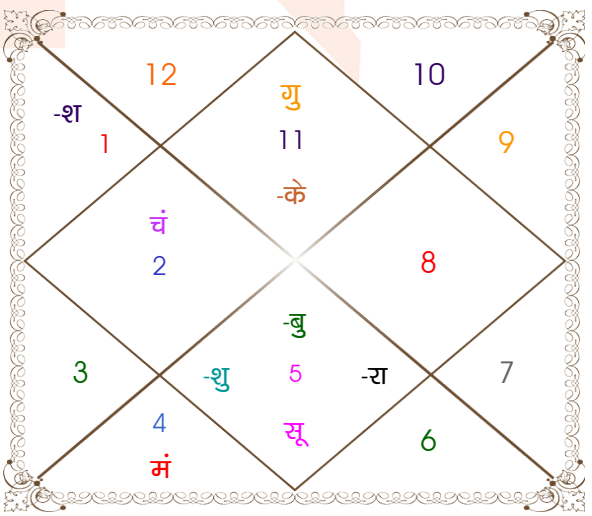

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

।बीपदजलं का वर्ग मृग है तथा टपइीववजप का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।बीपदजलं और टपइीववजप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

।बीपदजलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

टपइीववजप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि टपइीववजप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

।बीपदजलं तथा टपइीववजप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।